[Shri K. Lakkappa]

The machinery in charge of implementing the Prevention of Food Adulteration Act should be geared up, especially in Delhi and deterrent punishment should be awarded to the manufacturers of sub-standard milk products. Greater attention should be paid to baby milk foods, which should be subjected to strict tests of quality control.

(xi) NEED FOR REGULARISATION OF CASUAL LABOURERS OF P.W.I. RAILWAYS

श्री कुंवर राम (नवादा) : उपाध्यक्ष महोदय, आपकी अनुमति से नियम 377 के अधीन में यह सूचना दे रहा हूं कि भारतीय रेल के. पी. डब्लू. आई. के श्रमिक आज करीब 30,35 वर्षों से "कैजुअल" के रूप में ही कार्यरत हैं। वे श्रमिक जो रेल लाइन की पटरियों पर काम करते हैं तथा पत्थर वगैरह डालते हैं, कठिन काम करने के लिए उन्हें ही रखा जाता है, उन्हें इस सेवा के लिये कुछ भी सुविधाएं नहीं हैं।

इसलिये कैजुअल श्रमिकों को शीघ्र ही "रेगुलर" किया जाये जिससे सरकारी कर्मचारियों को जो सुविधा दी जाती है, उन्हें दी जायें और इनका भविष्य बन सके क्योंकि कठिन परिश्रम करने वाले यही श्रमिक हैं।

(xii) URGENT NEED TO PROVIDE RELIEF DROUGHT AND FAMINE AFFECTED AREAS OF WESTERN RAJASTHAN

श्री अशोक गहलोत (जोधपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नियम 377 के अधीन यह महत्वपूर्ण मामला उठा रहा हूं।

राजस्थान के पश्चिमी हिस्से में भयंकर सूखा व अकाल हो गया है। जोधपुर जिले के सभी गांव पुन: चौथी बार अकालग्रस्त घोषित किये जा रहे हैं। इस भयंकर अकाल को त्रिकाल की संज्ञा दी जा रही है क्योंकि धान, पानी व चारे तीनों का एक साथ अकाल हुआ है। अभी से पशुपालक चारे की समस्या के कारण बहुत चिंतित हो गये हैं। मवेशियों को पालना दूभर हो गया है। पशु-पालक बहुत कम दाम में पशु मजबूरी की हालत में बेच रहे हैं अथवा उनको बिना दाम लिये तिलक करके ही छोड़ने लग गये हैं।

मैं कृषि मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि अविलम्ब घास, चारे के डिपो खोलने, चारे को अन्य राज्यों से लाने की खुली छूट दिलाने एवं मवेशियों को पड़ोसी राज्यों में ले जाने व वहां चरागाह में उनके चरने की सुविधा दिलाने हेतु अविलम्ब कार्यवाही करें अन्यथा हजारों उच्च किस्म के मवेशियों के मरने की आशंका हो गयी है, जिनके लाभों से प्रदेश को हमेशा के लिए वंचित होना पड़ेगा। आशा है कृषि मंत्री केन्द्र स्तर पर एवं राज्य सरकार को अविलम्ब आवश्यक सहायता देकर मवेशी को बचाने में अपना योगदान देंगे।

धन्यवाद।

(xiii) NEED TO DECLARE E. V. RAMASWAMY'S BIRTHDAY AS "SOCIAL JUSTICE DAY"

SHRI JAIPAL SINGH KASHYAP (Aonla): Periyar E. V. Ramaswamy, the lion of Erode, was born on 17th of September, 1879. For over 60 years between 1911 and 1973 he fought for establishing social justice by abolishing Varnashram Dharma and for achieving equality through reservation in appointments and posts to the backward classes, scheduled castes and tribes in proportion to their numerical strength in population.

He stood for equality among all men and also between men and women.

Periyar E. V. Ramaswamy tread the path of Lord Buddha and Mahatma Phule. He was the contemporary of Baba Saheb Dr. B. R. Ambedkar, Dr. R. M. Lohia and Shri Narayana Guru who, like him strove for social justice.

As a fitting memory to the great leader, Periyar E. V. Ramasamy, whose 103rd birthday falls on 17th